Cotton IPM Advisory
कपास में आइपीएम अपनाने हेतु परामर्श:

उत्तरी क्षेत्र के सभी कपास लगाने वाले किसानों को सलाह दी जाती है कि

1-कपास की बुवाई 15 मई से पहले जरूर पूरी कर लें, नहीं तो देर से (15 मई के बाद) बुवाई करने पर सफेद मक्खी से कपास में अधिक नुकसान होता है
2- कपास की सफेद मक्खी के प्रतिरोधी/ सहनशील हाइब्रिड (जिसकी लिस्ट PAU द्वारा जारी की गई है) के बीज की बुवाई करें
3- मिट्टी की जांच के अनुसार सिफारिश की गई उर्वरक खाद का बुवाई के समय जमीन में भी प्रयोग अवश्य करें

4- मौसम के पूर्वानमान अनुसार हो रही वर्षा/बूंदाबांदी से खेतों के आस पास खरपतवारों के अधिक होने की संभावना है, यही खरपतवार आगे चलकर सफेद मक्खी को आश्रय प्रदान करेंगे और प्रकोप बढ़ाने में सहायक होंगे, अतः इन खरपतवारों को समय समय पर नष्ट करते रहें

विशेष रूप से किन्नों बाग/ सिंचाई की नाली के आस पास साफ सफाई का विशेष ध्यान रखें।

कोरोना बीमारी को ध्यान में रखते हुए किसी भी कार्य को करते समय मास्क व शारीरिक दूरी का ध्यान रखें व लोक डाउन के नियमों का पालन करें।